गुणवत्ता पर सवाल | कृषि विभाग के मैदानी अमले की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

अमानक खाद, बीज से फसल और किसान दोनों को नुकसान

नवभारत,शहडोल। जिले में खरीफसीजन की तैयारियों के बीच खाद एवं बीज की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ब्यौहारी, जयसिंहनगर, जैतपुर और गोहपारू सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आदान विक्रेताओं की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी नहीं होने से किसानों को कथित तौर पर अमानक खाद एवं बीज महंगे दामों पर बेचे जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। किसानों का कहना है कि यदि बिना गुणवत्ता जांच के बीज और खाद खेतों तक पहुंच गए तो इसका सीधा असर फसल उत्पादन पर पड़ सकता है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ग्रामीण किसानों के अनुसार, कई स्थानों पर खाद-बीज की बिक्री के दौरान गुणवत्ता और निर्धारित दरों की पर्याप्त निगरानी नहीं की जा रही है। कुछ विक्रेताओं द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने की शिकायतें भी सामने आने की बात कही जा रही है। किसानों का कहना है कि खेती में बीज और खाद की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण होती है। अमानक सामग्री का उपयोग होने पर पूरी फसल प्रभावित होने का खतरा रहता है। ऐसे में महंगे कृषि आदान खरीदने के बाद खराब उत्पादन होने पर किसानों को दोहरी आर्थिक मार झेलनी पड़ सकती है। खाद बीज की दरें भी अनियंत्रित नजर आती हैं, किसी भी कंपनी की बीज व दवा दुकानदार मनमाने दरों पर बेच रहे हैं।

मैदानी अमले की निगरानी पर भी सवाल

कृषि विभाग के मैदानी अमले की भूमिका को लेकर भी ग्रामीण क्षेत्रों में सवाल उठाए जा रहे हैं। किसानों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि कृषि आदान विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों की नियमित एवं प्रभावी जांच के बजाय कई बार केवल औपचारिकता निभाई जाती है। कुछ लोगों ने जांच के नाम पर कथित वसूली के आरोप भी लगाए हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना शेष है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह विभागीय निगरानी व्यवस्था की गंभीर विफलता के साथ किसानों के हितों से खिलवाड़ का मामला होगा। कृषि विभाग की जिम्मेदारी है कि खाद-बीज विक्रेताओं के लाइसेंस, स्टॉक, बिक्री रजिस्टर, बिल और गुणवत्ता मानकों की नियमित जांच करे तथा अनियमितता मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे साथ ही बीज की गुणवत्ता और बिक्री बीज अधिनियम, 1966 एवं बीज नियम, 1968 के प्रावधानों के तहत नियंत्रित होती है, जबकि उर्वरकों की बिक्री एवं गुणवत्ता पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 के तहत नियंत्रण रखते हुए कार्यवाही की जाए।

विशेष अभियान चलाकर जांच की मांग

किसानों ने जिला प्रशासन और कृषि विभाग से जिलेभर में खाद-बीज दुकानों की सघन जांच कराने, संदिग्ध कृषि आदानों के नमूने लेकर प्रयोगशाला परीक्षण कराने और दोषी पाए जाने वाले विक्रेताओं के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेती की बढ़ती लागत के बीच यदि उन्हें महंगे दाम पर घटिया खाद या अमानक बीज मिलता है तो उनकी पूरी मेहनत और पूंजी बर्बाद हो सकती है। किसानों ने प्रत्येक बिक्री पर अनिवार्य रूप से बिल उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की है। ऐसे में किसानों का कहना है कि खरीफ सीजन को देखते हुए प्रशासन को तत्काल जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाकर व्यवस्था को पारदर्शी बनाना चाहिए। साथ ही, कृषि विभाग के कर्मचारियों पर लगाए जा रहे कथित वसूली के आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कर वास्तविकता सामने लाने की जरूरत है।

792 ट्रामाडोल टैबलेट के साथ युवक गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफएनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

नवभारत,ब्यौहारी। युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले अवैध कारोबारियों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अवैध मादक पदार्थों और प्रतिबंधित नशीली दवाओं की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना ब्यौहारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को 792 ट्रामाडोल टैबलेट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में प्रतिबंधित नशीली दवाओं के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि ब्यौहारी क्षेत्र में प्रतिबंधित नशीली दवाओं का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने 21 जुलाई 2026 को योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान सुजीत उर्फ गोलू सोनी, पिता गोरेलाल सोनी, निवासी ब्यौहारी को संदेह के आधार पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 792 ट्रामाडोल टैबलेट बरामद हुईं। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर थाना ब्यौहारी में अपराध क्रमांक 544/26 दर्ज किया है।

नशे के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा

पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट एवं धारा 5/13 मध्यप्रदेश ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी प्रतिबंधित दवाएं कहां से लाता था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई करता था। साथ ही उसके नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं थाना प्रभारी ब्यौहारी के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक गया प्रसाद, प्रधान आरक्षक नरेंद्र उपाध्याय तथा आरक्षक अमर सिंह, पंकज मेहरा, अनुज यादव एवं सुरभि उरमालिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले तस्करों और अवैध कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की इस कार्रवाई को नशे के अवैध कारोबार के खिलाफमहत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

एक नजर में

रीवा गया था परिवार घर में हुई चोरी

नवभारत, जबलपुर। गोरखपुर थाना अंतर्गत साईनगर नयागांव में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए जेवरात, नगदी, टीव्ही, मोबाइल पार कर दिया। चोरों ने वारदात को उस वक्त अंजाम दिया जब परिवार रीवा गया हुआ था। पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम कुंदेश्वर कुशवाहा 35 वर्ष निवासी साईनगर नयागांव रामपुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह नागपुर (महाराष्ट्र) में होटल में काम करता है। वह नागपुर से अपने घर जबलपुर साई नगर आया था जहां से अपने परिवार के साथ पैतृक निवासी वीणा शहपुरा थाना सेमरिया जिला रीवा गया था। बीती रात लगभग 11-30 बजे जबलपुर साईनगर नयागांव वापस आया देखा घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था अंदर जाकर देखा सामान अस्त व्यस्थ था आलमारी का भी ताला टूटा हुआ था जिसमें रखे नगदी 5 हजार रूपये, चांदी के 4 नग बिछिया, 2 कंगन, सोने का मंगलसूत्र, एलईडी टीव्ही, वीवो कम्पनी का मोबाइल नहीं था कोई अज्ञात चोर ताला तोड़कर घर में घुसकर उपरोक्त सामग्री चोरी कर ले गया है।

रूम देने से मना किया तो मैनेजर को पीटा

नवभारत, जबलपुर। लार्डगंज थाना अंतर्गत यादव कॉलोनी स्थित होटल में रूम देने से मना करने पर दो युवकों ने मैनेजर की बेरहमी से पिटाई कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। लार्डगंज पुलिस ने बताया कि ऋतिक पटेल का यादव कॉलोनी स्थित होटल डेजी में मैनेजर है। शाम करीब 7:30 बजे होटल के रिस्पेशन पर बैठा था तभी वहां पर दो लडके आये जिसने अपना नाम अमित प्रजापति बताया और कहा कि रूम चाहिए। मैनेजर ने आधारा कार्ड मांगा तो अमित प्रजापति ने अपना आधार कार्ड दिया आन लाईन 600 रूपए जमा किए।

एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की सड़कों की हालत जर्जर

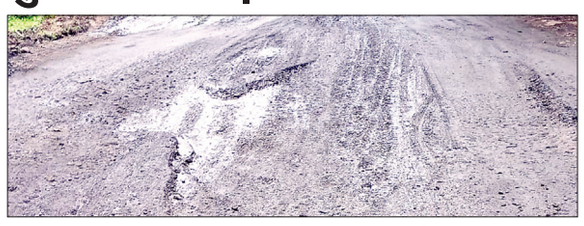

नवभारत, धनपुरी। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली विभिन्न सड़कों की हालत इतनी दयनीय हो चुकी है कि उस पर चलना जान में जोखिम डालने जैसा है वर्तमान समय में बरसात का मौसम शुरू होते ही सड़को की स्थिति इतनी दयनीय हालत में पहुंच चुकी है की पता ही नहीं चलता कि यह सड़क है य तालाब पानी भराव के कारण आए दिन दो पहिया वाहन चालक दुर्घटना के शिकार होते रहते हैं सोहागपुर क्षेत्र में करोड़ों रुपए का कोयला का उत्पादन होता है लेकिन बावजूद इसके सड़को की बदहाली की समस्या की ओर प्रबंधन द्वारा किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जाता आज अगर बात की जाए तो एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र के अंतर्गत सड़कों की हालत इतनी दैनिक स्थिति में पहुंच चुकी है कि उसे पर चलना है अब अपनी जान जोखिम में डालने जैसा है जबकि इन्हीं रास्तों से प्रबंधन के उच्च अधिकारी अपनी लग्जरी गाड़ियों में बड़े आराम से चलते हैं लेकिन उन्हें आम जनमानस को होने वाली समस्याओं से जैसे कोई सरोकार ही न हो इसी तरह तीन नंबर सुभाष चौक से अमलाई फाटक के बीच की सड़क की हालत इतनी दयनीय स्थिति में है कि देखकर पता ही नहीं चलता है कि यहाँ कभी सड़क भी थी करोड़ों का राजस्व अर्जित करने वाली एस. ई. सी. एल सोहागपुर क्षेत्र अन्य दूसरे क्षेत्र के विकास के लिए करोड़ों रुपए का अनुदान देती है ।

25 साल पुरानी बाड़ी की बाड़ हटाने पर ग्रामीण ने उठाए सवाल

वन विभाग की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच की मांग

नवभारत,गोहपारू । ग्राम पंचायत नवाटोला के ग्राम चुहिरी निवासी लोमस तिवारी उर्फलल्ला तिवारी ने वन विभाग के कर्मचारियों पर बिना पूर्व सूचना अथवा नोटिस के उनकी करीब 25 वर्षों से उपयोग में आ रही बाड़ी की बाड़ हटाने का आरोप लगाया है। ग्रामीण ने वन विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीण के अनुसार, वह पिछले करीब 25 वर्षों से उक्त बाड़ी का उपयोग खेती-बाड़ी और दैनिक निस्तार के लिए करते आ रहे हैं। उनका आरोप है कि 20 जुलाई 2026 को वन विभाग सर्किल चुहिरी के अंतर्गत बीट नवाटोला में पदस्थ कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर उनकी बाड़ी की बाड़ध्वंधी को बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के हटा दिया। इससे उन्हें नुकसान हुआ है। लोमस तिवारी का कहना है कि वन विभाग की ओर से उन्हें बताया गया कि उनके द्वारा बाड़ी का क्षेत्र बढ़ाकर कब्जा किया गया है। ग्रामीण ने मांग की है कि यदि ऐसा कोई अतिक्रमण है तो वन एवं राजस्व अभिलेखों के आधार पर विधिवत सीमांकन कराया जाए और कार्रवाई से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। लोमस तिवारी ने आरोप लगाया कि कुछ समय पूर्व उनके घर के पास एक बंदर बीमार अवस्था में पड़ा था। इसकी सूचना उन्होंने वन विभाग की चौकी को दी, लेकिन उनके अनुसार काफी समय तक कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों के ग्रुप में बंदर के संबंध में सूचना साझा की। ग्रामीण का आरोप है कि इसी बात को लेकर एक कर्मचारी उनसे नाराज था और व्यक्तिगत खुन्नस के चलते बाद में उनकी बाड़ी की बाड़ हटाने की कार्रवाई की गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। ग्रामीण ने करीब चार माह पूर्व बोरवेल करवाने के दौरान उनसे कथित रूप से 10 हजार रुपये की मांग किए जाने का भी आरोप लगाया है।

सर्पदंश से मौत रोकने स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त एंटीवेनम रखें : कमिश्नर

नवभारत,शहडोल। वर्षाकाल में सर्पदंश की बढ़ती आशंका को देखते हुए शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में एंटीवेनम इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सर्पदंश के मामलों में पीड़ितों को समय पर एंटीवेनम की समुचित डोज देकर उनका जीवन बचाने के हरसंभव प्रयास किए जाएं। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटीवेनम इंजेक्शन उपलब्ध होने की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए, ताकि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को समय पर उपचार की सुविधा की जानकारी मिल सके। कमिश्नर ने मंगलवार को समसामयिक विषयों को लेकर आयोजित गूगल मीट के माध्यम से समीक्षा बैठक में संभाग के सभी कलेक्टरों एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने के लिए दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा लोगों को सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक के बजाय तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर उपचार कराने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने वर्षाकाल में होने वाली आपदाओं से प्रभावित लोगों को राजस्व परिपत्र-64 के प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने पर जोर

समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की जिलेवार समीक्षा करते हुए कहा कि संभाग में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जाएं। स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को एनीमिया मैनेजमेंट का प्रशिक्षण देने तथा महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए। कमिश्नर ने आयुष्मान कार्ड निर्माण की भी जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि आयुष्मान कार्ड से वंचित पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर कार्ड उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को आयुष्मान कार्ड बनाने और वितरण के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों में आवश्यक सुविधाओं का विस्तार करने पर भी जोर दिया।

एटीएम बदलकर खाते से उड़ाए लाखों

नवभारत, जबलपुर। सिहोरा थाना अंतर्गत सैन्ट्रल बैंक एटीएम में पैसे निकाले गए एक किसान को जालसाजों ने बातों में उलझा लिया और एटीएम कार्ड बदलकर खाते से लाखों रूपए उड़ा लिए। पुलिस ने रिपोर्ट परि प्रकरण दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आलोक सिंह राजपूत निवासी छपरा का किसान है। वे सैन्ट्रल बैंक एटीएम सिहोरा से अपने एटी एम से तीन हजार रूपये निकाल रहा था एटीएम मशीन में लगा था तभी एटीएम के अन्दर दो अज्ञात व्यक्ति आये और थोडी देर बातों में लगाये रहे और फिर दोनों वहां से चले गए। जब आलोक ने अपना एटीएम निकाला और बैलेन्स चैक करने के लिये पुन: अपना एटीएम, एटीएम मशीन में डाला और पिन डाला तो ए टी एम मशीन के व्दारा एटीएम स्वीकार नहीं किया।पुराना बस स्टैंड सिहोरा के सामने एस बी आई ए टी एम में भी एटीएम लगाया तोभी एटीएम काम नहीं किया। एटीएम गार्ड को जब गौर से देखा तो वह एटीएम उसका नहीं था उस एटीएम में मंजीत कौर लिखा हुआ था। दोनों अज्ञात व्यक्तियों व्दारा बातों में लगाकर उसका एटीएम बदलकर ले गए और उसके खाते से कुल 2,28,998 निकाल लिए। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी शुरू कर दी है।

6 शातिर चोर पकड़ाए, 10 टूव्हीलर, 3 बैटरी समेत 12 लाख जब्त

नवभारत, जबलपुर। गोहलपुर पुलिस ने आधा दर्जन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से चुराये हुये 10 दुपहिया वाहन एवं चुराई हुई 10 बैटरी कीमती 12 लाख रूपये के जप्त किए गए। पकड़े गए चोर पलक झपकते ही दुपहिया वाहन, ई रिक्शा से बैटरियां पार कर देते थे।

मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आयुष जाखड़ ने खुलासा करते हुए बताया कि गोहलपुर थाना अंतर्गत आनंद नगर कॉलोनी से वाहन चोरी हुआ था। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया था। इसी प्रकरण में पुलिस को सूचना मिली कि चोरी गया वाहन लिये कुछ चोर दिखे है जो उक्त वाहन से कोई वारदात करने के इरादे से घूम रहे है। गोहलपुर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए वाहन चुराने वाले सादाब खान पिता गोफू फरीद 19 वर्ष निवास टेढीनीम, फैजान खान पिता गुड्डू खान 20 वर्ष निवासी 16 क्वार्टर, शाहरूख खान पिता खालिक खान 25 वर्ष निवासी टेढीनीम समेत ई रिक्शा से बैटरी चुराने वाले मोहम्मद फैजल अंसारी पिता गुलाम गौस 20 वर्ष निवासी गाजीनगर, इमरान पिता वहीद 18 वर्ष निवासी आयशा नगर आधारताल, मोहम्मद अशफाक पिता इशराइल 18 वर्ष निवासी गुरदा अधारताल को गिरफ्तार किया। पकड़े गए चोरों ने वाहन चोरी की वारदातें गोहलपुर, ग्वारीघाट, गोरखपुर, मदनमहल, अधारताल, ओमती, रांझी, चौकी सिलौडी जिला कटनी में की है। जबकि गोहलपुर से ई रिक्शा से बैटरियों की चोरियां हुई। पत्रकारवार्ता में नगर पुलिस अधीक्षक उदयभान बागरी, टीआई रितेश पांडे उपस्थित रहे

पैलवाह हाईस्कूल में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को बताए नशे के दुष्परिणाम

नवभारत,गोहपारू। जिला पुलिस बल शहडोल द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत पैलवाह स्थित हाई स्कूल में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा एवं आरक्षक मोनू शर्मा ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के जीवन को बर्बाद करने के साथ-साथ उसके परिवार और समाज पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। नशे की लत से स्वास्थ्य खराब होने के साथ ही व्यक्ति आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं नशे से हमेशा दूर रहें और अपने परिवार, मित्रों तथा आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें।

आरक्षक मोनू शर्मा ने भी विद्यार्थियों को नशे के विभिन्न प्रकारों एवं उनसे होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है और युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से बचाकर ही स्वस्थ एवं सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्ति अभियान का उद्देश्य समाज में जागरूकता फैलाकर लोगों को नशे की गिरफ्त से बाहर लाना है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने में सहयोग करने का संकल्प लिया।

प्रदर्शन | छात्रों के साथ हुई बर्बरता के विरोध में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा प्रहार : अजय अवस्थी

नवभारत,शहडोल। देशभर में छात्रों के साथ हो रहे कथित अन्याय एवं नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे छात्रों और लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जी एवं प्रदेश काँग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी व कांग्रेस नेताओं पर पुलिस द्वारा की गई बलपूर्वक कार्रवाई के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल द्वारा जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर के सामने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के उपरांत महामहिम राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई एवं छात्रों के अधिकारों की रक्षा की मांग की गई। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि विगत दिनों नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर देशभर के छात्र एवं आम नागरिक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना, प्रदर्शन एवं अनशन कर रहे थे। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों और युवाओं पर पुलिस द्वारा जिस प्रकार बल प्रयोग किया गया, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई में अनेक छात्रों एवं आंदोलनकारियों को गंभीर चोटें आईं, जो सरकार की असहिष्णु मानसिकता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आदरणीय राहुल गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता छात्रों की आवाज को संसद और सड़क दोनों जगह मजबूती से उठा रहे थे। लेकिन सरकार ने छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनके समर्थन में खड़े जनप्रतिनिधियों के साथ भी अभद्र एवं बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया। यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा प्रहार है और देश की लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए गंभीर चिंता का विषय है।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से धरना, प्रदर्शन और अपनी मांगों को रखने का अधिकार देता है। यदि छात्र अपने भविष्य और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर आवाज उठाते हैं, तो उनकी बात सुनने के बजाय उन पर लाठीचार्ज और दमनात्मक कार्रवाई करना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को शोभा नहीं देता। सरकार को छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से करना चाहिए, न कि बल प्रयोग के जरिए उनकी आवाज दबाने का प्रयास करना चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने महामहिम राष्ट्रपति से मांग की कि छात्रों एवं आम नागरिकों पर की गई कथित बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही केंद्र सरकार को छात्रों के भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेने के लिए निर्देशित किया जाए, ताकि देश के युवाओं का भविष्य सुरक्षित रह सके।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश का भविष्य उसके युवा और छात्र हैं। यदि उनकी आवाज को बलपूर्वक दबाने का प्रयास किया जाएगा तो कांग्रेस पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से उनके साथ खड़ी रहेगी और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। उक्त जानकारी जिला काँग्रेस कमेटी शहडोल के मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला ने प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष आजाद बहादुर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, वरिष्ठ कांग्रेसी महमूद अहमद, वरिष्ठ कांग्रेसी मुबारक मास्टर,वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीनिवास शर्मा, जिला उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष प्रीतेश द्विवेदी, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी,विधान सभा प्रत्याशी उमा धुर्वे, ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष सत्यनारायण साहू, हर्ष पाठक, रवि सिंह, विजय सिंह, सुशील जसवानी,आशीष द्विवेदी, महेंद्र यादव, कृतेंद्र सिंह, हर्षित श्रीवास्तव, सुमित तिवारी, लाली सोनी, श्रीराम मिश्रा, संजय पटेल, राजेन्द्र सेन, मोहम्मद अरसीद, ओंकार सिंह, संतोष शुक्ला, राजकुमार, मोहम्मद रेयाज,अतुल तिवारी, सोनू यादव, सोनू कोल आदि काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

एसपी ने यातायात थाना और कंट्रोल रूम का किया औचक निरीक्षण

बॉडी वार्न कैमरे के साथ ड्यूटी करेंगे यातायात कर्मी

नवभारत,शहडोल। जिले की यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, सुगम एवं पारदर्शी बनाने तथा पुलिस की आपातकालीन सेवाओं को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने बुधवार को थाना यातायात और पुलिस कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने पुलिसिंग की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। थाना यातायात के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने रिकॉर्ड रूम, सीसीटीवी व्यवस्था, विभिन्न संधारित रजिस्टरों तथा यातायात पुलिस के पास उपलब्ध सामग्री का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने यातायात पुलिस कर्मचारियों को अपने-अपने ड्यूटी प्वाइंट पर पूरी सजगता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। एसपी ने कहा कि ड्यूटी के दौरान प्रत्येक यातायात कर्मचारी बॉडी वार्न कैमरा लगाकर ड्यूटी करेगा। वहीं रात्रिकालीन यातायात ड्यूटी के दौरान रेडियम जैकेट और लाइट बैटन अनिवार्य रूप से धारण करने के निर्देश दिए गए। आमजन के साथ शालीन, विनम्र और संवेदनशील व्यवहार करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

इसके बाद एसपी ने पुलिस कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण कर वहां संचालित विभिन्न शाखाओं और तैनात अधिकारी-कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने डायल-100ध्112 की आपातकालीन सेवाओं के रिस्पांस टाइम की समीक्षा की और त्वरित पुलिस सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की लाइव फीड और रिकॉर्डिंग सिस्टम की जांच की। कर्मचारियों को संदिग्ध गतिविधियों पर 24 घंटे पैनी नजर रखने तथा यातायात व्यवस्था की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए।एसपी ने वायरलेस एवं संचार व्यवस्था की कार्यक्षमता भी परखी और सभी कर्मचारियों को वायरलेस पर स्पष्ट एवं सटीक सूचनाओं के आदान-प्रदान के निर्देश दिए। कंट्रोल रूम में रखे रजिस्टरों और लॉग बुक का अवलोकन करते हुए अभिलेखों को नियमित रूप से अपडेट रखने तथा परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने अधिकारी-कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी सुने तथा निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली में तत्परता, संवेदनशीलता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। औचक निरीक्षण का उद्देश्य आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूत करने के साथ आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है।